बैगलेस

सुरक्षित शनिवार

हर शनिवार एक रोचक नवाचार

दिशाबोध

श्री दीपक कुमार सिंह (भा0प्र0से0) अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार

श्री सज्जन आर0 (भा0प्र0से0) निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार

डॉ रश्मि प्रभा, संयुक्त निदेशक डायट , राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार

डॉ स्नेहाशीष दास, विभागाध्यक्ष, विद्यालयी शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार

मार्गदर्शिका विकास समूह

- श्री शिव कुमार, शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय अराप, बिक्रम, पटना
- डॉ संतोष राणा, व्याख्याता, डायट रामबाग, मुजफ्फरपुर
- श्री अजीत कुमार, व्याख्याता, डायट बक्सर
- श्रीमती शिल्पी सिंह , प्रतिनियुक्त व्याख्याता, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार
- श्रीमती नमिता नारायण, प्रतिनियुक्त व्याख्याता, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार
- श्रीमती नीलू कुमारी, प्रतिनियुक्त व्याख्याता, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार
- डॉ क्षमा सिंह, व्याख्याता, पी0टी0ई0सी0 महेंद्रू, पटना
- श्री कात्यायन कुमार त्रिपाठी, शिक्षक, प्रा. वि. नयागाँव, गुलजारबाग़, पटना
- श्री राकेश, शिक्षक, प्रा. वि. बड़की बलियारी, बिक्रम, पटना
- श्रीमती अपराजित कुमारी, शिक्षिका, उ0म0वि0 जिगना जगरनाथ, गोपालगंज
- श्रीमती प्रमिला कुमारी, शिक्षिका, उ0म0वि0 भरतपुरा, दुल्हिनबाजार , पटना

डिजाइन

श्री मनीष कुमार शर्मा,शिक्षक, रा0बा0उ0मा0वि0 मनेर, पटना

Bagless Safe Saturday
बैगलेस सुरक्षित शनिवार

" हर शनिवार एक रोचक नवाचार "

'बैगलेस सुरक्षित शनिवार' वैगन व्हील : (समय: 10:00am-12:00pm)

बैगलेस सुरक्षित शनिवार की समय सारणी :

समय	गतिविधि
9:00 से 9:30 AM	विद्यालय की साफ-सफाई (श्रमदान)
9:30 से 10:00 AM	विशेष चेतना सत्र
10:00 से 12:00 PM	बैगलेस सुरक्षित शनिवार की गतिविधि (बैगलेस सेफ सैटरडे वैगन व्हील में निर्धारित डोमेन की गतिविधि चुनें)
12:00 से 1:00 PM	सुरक्षित शनिवार की गतिविधि (सुरक्षित शनिवार वैगन व्हील के अनुसार)
1:00 से 1:30 PM	मध्याह्न भोजन

बैगलेस सुरक्षित शनिवार के बारे में :

विद्यालयों में बच्चों की दिनचर्या आमतौर पर स्कूल बैग अथवा बस्ते के साथ ही आकार लेती हुई दिखती है, जिसके बारे में आम धारणा है कि उनमें पुस्तकें हैं और उन पुस्तकों में ज्ञान है जो बच्चों को प्राप्त करना है। पर पुस्तक का वह ज्ञान बच्चों के आस-पास की दुनिया से कैसे जुड़ता है, उन्हें कुछ नया अनुभव कैसे देता है, उनकी रुचियों को महत्व कैसे दिया जा सकता है, उनके चाहत का विस्तार कैसे करता है, उनके जिज्ञासाओं को बढ़ाता कैसे है? इन सभी को बैगलेस सुरक्षित शनिवार की गतिविधियों में होते हुए देखा जा सकेगा।

विद्यालय का परिसर और वर्ग-कक्ष जीवंत रहे, इसकी चिंता राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्पष्ट रूप से दिखती है. इस दस्तावेज ने विद्यालयों के लिए 'बैगलेस डे' का सुझाव दिया है जो वस्तुतः महात्मा गाँधी की 'नई तालीम' और प्रो. यशपाल के 'बोझ रहित शिक्षा' (Learning without Burden) के विचारों को आगे बढ़ाते दिख रहा है। बच्चों के लिए विद्यालय का यह विशेष दिवस हर सप्ताह का शनिवार होगा, जिस दिन बच्चे तो स्कूल में होंगे, लेकिन उनके कंधे पर बस्ता नहीं होगा। यह दिन 'बैगलेस सुरक्षित शनिवार' के नाम से जाना जाएगा। इस दिन सुरक्षित शनिवार में आपदाओं से बचने के उपाय एवं जानकारियों के साथ साथ पूरी तरह से बच्चों के लिए रोचक गतिविधियों का दिन होगा जो जिज्ञासा, सृजन, नवाचार, तर्क-चिंतन, कला एवं सौंदर्य, खेल-कूद, देश की सांस्कृतिक विरासत एवं धरोहर, योग एवं स्वच्छता आदि को समर्पित होगा।

बैगलेस सुरक्षित शनिवार पर सामान्य दिशानिर्देश:

1. यह कार्यक्रम कक्षा एक से आठवीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए अनिवार्य है। यद्यपि 9वीं से 12वीं कक्षा (माध्यमिक) के छात्र स्वेच्छा से इन गतिविधियों में भाग ले सकते हैं।

2. बैगलेस सुरक्षित शनिवार को बच्चे बिना बस्ते के विद्यालय आएंगे। उस दिन वो अपने साथ रंग, कोरे कागज, छोटे खिलौने, बाल पत्रिकाएं आदि ला सकते हैं।

3. बैगलेस सुरक्षित शनिवार के तहत संचालित की जाने वाली **120 गतिविधियों को 12 क्षेत्रों (Domain)** के अंतर्गत विभाजित किया गया है। प्रत्येक महीने के लिए एक-एक क्षेत्र (Domain) आवंटित किया गया है। बैगलेस सुरक्षित शनिवार के लिए वर्ग-शिक्षक को आवंटित क्षेत्र (Domain) में से किसी भी गतिविधि को चुनने की स्वतंत्रता है। यदि शिक्षिका/शिक्षक सूची से बाहर की किसी अन्य गतिविधि को चुनकर रचनात्मक व रोचक बनाना चाहते हैं तो वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र है, बस इतना ध्यान रखना है कि आवंटित क्षेत्र (Domain) का उल्लंघन नहीं हो क्योंकि आवंटित क्षेत्र (Domain) का एक क्रम एवं महत्व है।

4. सभी गतिविधियों में बच्चों के साथ सुगमकर्ता के रूप में वर्ग-शिक्षक/शिक्षिका अनिवार्य रूप से शामिल होंगे एवं उनके कार्यों का अवलोकन एवं मूल्यांकन करेंगे। बैगलेस शनिवार की गतिविधियां **समग्र प्रगति पत्रक (Holistic Report Card)** के सह-शैक्षिक भाग का एक अभिन्न अंग होगी।

5. बैगलेस सुरक्षित शनिवार की गतिविधियों में प्रमुख गतिविधि "अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी /बैठक" (PTM) माह के चौथे शनिवार को आयोजित किया जाना अपेक्षित होगा। वर्ग-शिक्षक बढ़ते क्रम के अनुसार उस शनिवार को किसी एक कक्षा के बच्चों के अभिभावकों के साथ बैठक करेंगे। जो कक्षाएं उस दिन पीटीएम का हिस्सा नहीं होंगी वहाँ निर्धारित गतिविधियां सामान्य रूप से संचालित होंगी। मार्च एवं अप्रैल माह को छोड़ कर बाकी शेष सभी माह के चतुर्थ शनिवार को शिक्षक- अभिभावक बैठक का आयोजन होगा।

6. जिस माह में पाँचवा शनिवार आएगा उस शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करते हुए पिछले सभी शनिवार में बच्चों द्वारा निर्मित सामग्रियों/गतिविधियों का प्रदर्शन किया जाएगा एवं समीक्षा करते हुए शिक्षकों द्वारा आकलन/मूल्यांकन किया जाएगा।

7. वार्षिक परीक्षा को ध्यान में रखते हुए मार्च माह में बैगलेस सुरक्षित शनिवार की गतिविधियां का आयोजन वैकल्पिक होगा।

8. किसी भी गतिविधि की विस्तृत जानकारी के लिए क्यूआर-लिंक्ड शॉर्ट वीडियो भी उपलब्ध कराया जा रहा है जहां शिक्षक/बच्चे क्यूआर को स्कैन कर उस गतिविधि से जुड़े वीडियोज़ भी देख सकते हैं।

9. बैगलेस सुरक्षित शनिवार से संबंधित विस्तृत दिशानिर्देश SCERT बिहार के वेबसाईट https://scert.bihar.gov.in/,शिक्षा विभाग,बिहार सरकार के वेबसाईट https://education.bih.nic.in/ एवं e-LOTS के वेबसाईट http://bepclots.bihar.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

वर्गवार बैगलेस सुरक्षित शनिवार की सुझावात्मक गतिविधि चार्ट :

माह -अप्रैल क्षेत्र (Domain) - “ मैं हूँ निर्माणकर्ता ”

क्रम संख्या	गतिविधि का नाम	गतिविधि का विवरण	वीडिओ देखने के लिए QR कोड स्कैन करें
1.1	स्थानीय भाषा का शब्दकोश निर्माण Local language dictionary creation	शिक्षक बच्चों को अपने आस-पास की स्थानीय भाषा एवं बोलचाल के शब्दों को संग्रहित करने के लिए प्रेरित करेंगे और इससे शब्दकोश का निर्माण कराएंगें।	
1.2	पोस्टर ,ग्रीटिंग एवं विभिन्न कार्ड निर्माण Making Poster / Greetings and Various type of Cards.	पुराने शादी कार्ड, चार्ट पेपर एवं अन्य सामग्रियों के माध्यम से हम खूबसूरत पोस्टर/ ग्रीटिंग कार्ड का निर्माण कर सकते हैं। प्रभात फेरी एवं अन्य कार्यक्रमों में इसका प्रयोग किया जा सकता है।	
1.3	खिलौना निर्माण Toy Making	खाली बोतल, माचिस की तीली, रबर , लकड़ी के छोटे टुकड़े आदि ढेरों ऐसी सामग्रियों से हम अनेक छोटे छोटे खिलौने बना सकते हैं एवं पाठ्य पुस्तक में दिए गए गतिविधियों में इसका आसानी से प्रयोग कर सकते हैं।	
1.4	विभिन्न विषयों पर प्रोजेक्ट निर्माण Project Work on Various Subjects	शिक्षक बच्चों को विभिन्न विषयों पर प्रोजेक्ट निर्माण हेतु प्रेरित करेंगे। ऐसे प्रोजेक्ट निर्माण हेतु कम लागत अथवा बेकार के चार्ट पेपर का प्रयोग किया जा सकता है। प्रोजेक्ट निर्माण से बच्चे सरलता से सीखते हैं।	
1.5	बाल अखबार/पत्रिका बनाना/Making of Children‘s newspaper/magazine	बाल पत्रिका एवं अखबार बच्चों के सीखने में काफी मददगार हो सकता है। इसके लिए शिक्षक ‘बाल मन कोना’ का प्रयोग कर सकते हैं।	
1.6	स्थानीय चित्रकला निर्माण (मधुबनी,मंजूषा,टिकुली,कोहबर आदि) Local Painting (Madhubani, Manjusha, Tikuli and Kohbar etc.	बिहार राज्य के स्थानीय चित्रकला जैसे मिथिला की मधुबनी पेंटिंग , भागलपुर का मंजूषा , पटना का टिकुली एवं कोहबर आदि कलाओं से बच्चों को परिचित कराया जा सकता है। इसके लिए समय- समय पर स्थानीय कलाकारों को भी बुलाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त पटना कलम, सांझी के बारे में भी बताया जा सकता है।	
1.7	हस्तशिल्प यथा टोकरी,चटाई,आसनी आदि का निर्माण Handicraft - Making of Basket, Mat	हाथों और सरल औजारों की सहायता से बनायी जाने वाली हस्तकला का अपना धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व होता है। बांस या कागज से चटाई, टोकरी आदि का निर्माण बच्चों से करवाया जा सकता है। स्थानीय कलाकारों के यहाँ बच्चों को भ्रमण भी कराया जा सकता है।	
1.8	टंग ट्विस्टर बनाना और उच्चारण Making of tongue twister and pronunciation	जब एक ही तरह के शब्दों से वाक्य बनाकर उसे जल्दी-जल्दी सही उच्चारण के साथ बोलने को कहा जाए तो उसे टंग ट्विस्टर कहते हैं । जैसे - समझ-समझ के समझ को समझो, समझ समझना भी एक समझ है, समझ-समझ के जो ना समझे मेरी समझ में वो नासमझ है	

1.9	पहेली निर्माण और संग्रह Making and riddles	इस दिन शिक्षक द्वारा छात्रों के साथ मिलकर तरह-तरह के पहेली/बुझौअल का निर्माण, संग्रह कर बच्चों के बीच बूझो तो जाने जैसी गतिविधि आयोजित की जा सकती है।	
1.10	ऑरगामी (कागज का नाव, जहाज इत्यादि) Origami (Paper boat, plane etc.)	ऑरगामी वह कला है, जिसमें कागज को कई डिजाइनों में फोल्ड किया जाता है, जिससे एक आकृति बनती है। जापानी भाषा में 'ओरू' का मतलब होता है फोल्ड करना और 'गेमी' का मतलब पेपर यानी पेपर को फोल्ड करना।	

माह – मई क्षेत्र(Domain) - " मैं हूँ प्रबंधकर्ता/नेतृत्वकर्ता "

क्रम संख्या	गतिविधि का नाम	गतिविधि का विवरण	वीडिओ देखने के लिए QR कोड स्कैन करें
2.1	कक्षा की सजावट Beautification of Classroom	इसके अंतर्गत वर्ग कक्ष में पोस्टर, स्माइली, स्टार, प्रख्यात कवियों और लेखकों के कोट्स लगा सकते हैं। दरवाजे, दीवारें, श्यामपट, डिस्प्ले बोर्ड/बुलेटिन बोर्ड आदि को सजाया जा सकता है। कक्षा को एक थीम के आधार पर भी सजाया जा सकता है। जैसे – हरियाली, इंद्रधनुष, आकाश गंगा, सूर्योदय, जंगल, पहाड़ आदि।	
2.2	जिल्दसाजी Book binding	बच्चों को अपनी फटी किताब-कॉपियों को सिलने और उनपर जिल्द लगाने, छँटाई, किनारे की कटाई, गोंद लगाने आदि के तरीकों और उसके लिए ज़रूरी सामग्रियों जैसे- कागज, कपड़ा,धागा, सुई, कैंची, चाकू आदि के बारे में बताया जा सकता है।	
2.3	पुस्तकालय का रख- रखाव Maintenance of Library	इसके अंतर्गत पुस्तकालय की साफ-सफाई, अवांछित सामग्री की छँटाई, कक्षावार, विषयवार, थीम के अनुसार पुस्तकों को व्यवस्थित करना, आवश्यक होने पर पुस्तकों पर जिल्द लगाना, सूची बनाना, नंबरिंग करना, स्टॉक पंजी तथा पुस्तक वितरण पंजी को आवश्यकतानुसार अद्यतन करने, रीडिंग कॉर्नर को सजाने आदि से संबन्धित कार्य कराया जा सकता है।	
2.4	कक्षा/स्कूल की दीवार पेंटिंग Classroom/School wall-painting	शिक्षक अपने नेतृत्व में विद्यालय की चहारदीवारी, शौचालय,पेयजल के स्थान, किचेन और वर्ग-कक्ष की दीवारों पर नैतिक शिक्षा की सूक्तियाँ, स्वच्छता संबंधी पंक्तियाँ, हिन्दी वर्णमाला, अंग्रेजी के अल्फ़ाबेट जैसे विभिन्न प्रकार के पेंटिंग करवा सकते हैं।	
2.5	यूथ क्लब/ इको क्लब के कार्यों पर विशेष परिचर्चा Discussion on the work of Youth club/Eco club	इसके अंतर्गत यूथ क्लब/ इको क्लब के कार्यों, इसके महत्व एवं इसके प्रति बच्चों की जबाबदेही के बारे में जागरूक किया जा सकता है। यूथ क्लब के सदस्यों की सहायता से इस दिन खेल व शारीरिक गतिविधियों का आयोजन भी कर सकते हैं।	
2.6	विज्ञान क्लब/गणित क्लब के कार्यों पर विशेष परिचर्चा Discussion on the work of Science and Mathematics club	इसके अंतर्गत विज्ञान क्लब/गणित क्लब के कार्यों, इसके महत्व एवं उपयोगिता के बारे में विशेष परिचर्चा कराया जा सकता है। गणित एवं विज्ञान लैब का भ्रमण/परिचय, उसकी साफ-सफाई, विज्ञान से संबन्धित क्विज, मॉडल और चार्ट का निर्माण तथा विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन कराया जा सकता है। गणित की कुछ रोचक गतिविधियां भी कराई जा	

		सकती हैं।	
2.7	बाल संसद/मीना मंच के कार्यों पर विशेष परिचर्चा Discussion on the work of Bal Sansad/Meena Manch club	इस दिन बाल संसद और मीना मंच के सदस्य अपने नोडल शिक्षक की सहायता से पूर्व में किए गए कार्यों, नवाचारों तथा उसके प्रभाव से साथियों को अवगत कराएंगे एवं उसपर साथियों की राय लेंगे। नोडल शिक्षक बाल संसद/मीना मंच के नवाचारों या बेस्ट प्रैक्टिसेज को अन्य विद्यालयों से साझा भी कर सकते हैं।	
2.8	ब्लैक बोर्ड का रखरखाव Black-board maintenance	इसके अंतर्गत ब्लैक बोर्ड की साफ-सफाई, सज़ावट एवं आवश्यकतानुसार कालीकरण का कार्य किया/कराया जा सकता है।	
2.9	मध्यान भोजन के दौरान बैठने और हाथ धोने का प्रबंध Management during Mid-Day Meal and hand washing.	चेतना सत्र में स्वच्छता संबंधी चर्चा का समावेश करें जिसमें भोजन के पहले हाथ धोने तथा भोजन के लिए बैठने के उचित तरीक़े तथा उसकी आवश्यकता का भी जिक्र हो। जल, सफाई एवं स्वच्छता व्यवहार परिवर्तन गतिविधियां आज की दिनचर्या का हिस्सा होनी चाहिए। जागरूकता के लिए दीवार लेखन भी कराया जा सकता है।	
2.10	बायोडायवर्सिटी रजिस्टर बनाना Making of Bio-diversity register	विद्यालय के आस-पास एवं प्रांगण में तथा पोषण वाटिका में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों का नाम, संरचना, प्रकृति, रंग, गुण, पत्तों के आकार-प्रकार एवं उपयोगिता के आधार पर पहचान करते हुए उनको रजिस्टर में दर्ज किया जा सकता है।	

माह – जून क्षेत्र (Domain) - " मैं हूँ कलाकार "

क्रम संख्या	गतिविधि का नाम	गतिविधि का विवरण	वीडिओ देखने के लिए QR कोड स्कैन करें
3.1	ड्राइंग,पेंटिंग, स्केचिंग Drawing,Painting,Sketching	स्केचिंग- स्केचिंग का अर्थ होता है रेखाचित्र। रेखा के द्वारा किसी चीज का अनुमानित छवि देना। ड्राइंग/ पेंटिंग- ड्राइंग का तात्पर्य किसी कागज पर रेखा के माध्यम से चित्र बनाकर उसमें ब्रश के द्वारा विभिन्न प्रकार के रंगों को भरना होता है।	
3.2	थ्रेड पेंटिंग Thread Painting	थ्रेड पेंटिंग- इस पेंटिंग को धागा चित्रकारी भी कहते हैं। कुछ मिनटों में एक सुंदर पेंटिंग बनाने का बहुत ही रोचक और मजेदार तरीका है। विधि- एक A4 सादा कागज लेंगे उसे आधा मोड़ेंगे जैसे- कार्ड बनाने के लिए करते हैं, उसके बाद एक-डेढ़ फीट का मोटा धागा लें और उसे अपनी पसंद के अलग-अलग रंगों में डूबोंए फिर धागे को कार्ड/कागज के आधे मुड़े हुए भाग में अंदर से किसी भी रूप में रखें इसके बाद कागज/ कार्ड के आधे भाग को बंद करके एक सपाट सतह पर रखकर इसके ऊपर कुछ वजन या अपना हाथ रखें उसके बाद धागे के एक सिरे को हिलाते- डुलाते हुए खींचे फिर देखेंगे कि कागज के ऊपर एक	

		सुंदर आकृति उभर कर आई है।	
3.3	मार्बल पेंटिंग Marble Painting	यह पेंटिंग विभिन्न रंगों के इनेमल पेंट को पानी की सतह पर गिरा कर उसके ऊपर सादा चार्ट पेपर रखकर कुछ ही सेकंडों में चार्ट पेपर को उठा लेते हैं, जिससे उस पेपर पर पानी का पेंट विभिन्न आकृतियों में चिपक जाते हैं जो मार्बल जैसा प्रतीत होता है।	
3.4	सैंड पेंटिंग Sand Painting	इस पेंटिंग को रेत या बालू कला भी कहते हैं। इसमें एक कागज पर फेविकोल या गोंद के द्वारा कोई आकृति या चित्र बनाकर उस पर बालू या रेत डालते हैं तथा कुछ देर के बाद अतिरिक्त बालू को झाड़ देते हैं। जिससे वह आकृति बालू से बनी दिखती है। इसमें बालू या रेत को विभिन्न रंगों से रंग भी सकते हैं।	
3.5	रंगोली Rangoli	रंगोली एक लोक कला है। अलग-अलग प्रदेशों में त्यौहार, व्रत, पूजा, उत्सव, विवाह आदि के शुभ अवसर पर बनाया जाता है। सामान्यतः इसे चावल या गहूँ के आटे, सिंदूर, अबीर, रोली, हल्दी पाउडर और अन्य प्राकृतिक रंगों का प्रयोग कर जमीन या दीवारों पर बनाया जाता है।	
3.6	मिट्टी/क्ले मोल्डिंग Clay Moulding	मिट्टी/क्ले मोल्डिंग को क्ले आर्ट भी कहा जाता है। इसमें मिट्टी को गुथकर विभिन्न प्रकार की मूर्ति, चित्र, बर्तन, खिलौना एवं सामग्री बनाना। जो हमारे यहां कुम्हार के द्वारा बनाई जाती है जैसे- घड़ा, मूर्ति, दीया, गुड़िया, कुल्हिया- चुकीया आदि।	
3.7	कागज का मुखौटा/टोपी/मुकुट आदि का निर्माण Making of paper mask/cap/crown	कागज का मुखौटा/ टोपी/ मुकुट आदि का निर्माण-इस कला में कागज चार्ट पेपर आदि के द्वारा विभिन्न जानवरों, मानव आदि का चेहरा का मुखौटा बनाया जाता है। इसी प्रकार मुकुट को भी चार्ट पेपर/ कागज के माध्यम से कैंची द्वारा काटकर बनाया जाता है। अखबार के माध्यम से विभिन्न प्रकार की टोपी भी बनाया जाता है।	
3.8	कोलाज, मूर्तिकला प्रशिक्षण Collage,Sculpture training	विभिन्न प्रकार की वस्तुओं को एक सुनिश्चित पृष्ठ में सजाने से बनी हुई दृश्य कला को कोलाज कहते हैं। इसे बनाने में विभिन्न प्रकार की वस्तुएं जैसे- कागज, कपड़ा, गोंद, प्लास्टिक लकड़ी, माचिस की डिब्बा इत्यादि जैसी चीजों का उपयोग होता है।	
3.9	थम्ब पेंटिंग, लीफ पेंटिंग, वेजिटेबल पेंटिंग Thumb Painting,leaf Painting,Vegetable Painting	थंब पेंटिंग- हाथ के अंगूठे में वाटर कलर लगाकर सादे कागज पर अंगुठे को दबाकर विभिन्न प्रकार की आकृति बनाने की कला है। इसमें हाथ के सभी उंगलियों का भी प्रयोग किया जा सकता है। लीफ पेंटिंग- इस पेंटिंग में विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधों के पत्तों के ऊपर वाटर कलर लगाकर सादे कागज पर पंच कर या चिपका कर उसे हटा दिया जाता है जिससे उस पत्ते का आकृति कागज पर उकेर जाती है। इस प्रकार अनेकों आकृति बनाई जा सकती है। वेजिटेबल पेंटिंग- इस पेंटिंग में विभिन्न प्रकार के सब्जी जैसे- भिंडी, आलू, गोभी, शिमला मिर्च, प्याज इत्यादि को लंबाई और चौड़ाई में काटकर उसके आधे भाग को ब्रश से कलर लगा कर कपड़े या कागज पर पंच किया जाता है, जिससे सुंदर आकृति उभर कर आ जाती है।	

3.10	कला मेला Art Fair	विद्यालय में कला उत्सव मनाया जाए जिसमें बच्चों द्वारा नाटक, गीत-संगीत, नृत्य एवं चित्रकारी का प्रदर्शन आदि का आयोजन करवाया जा सकता है	इसमे बच्चों के अभिभावकों को भी शामिल होने हेतु निमंत्रण भेजा जा सकता है।	

माह – जुलाई क्षेत्र (Domain) - “ मैं हूँ स्वच्छता प्रेमी ”

क्रम संख्या	गतिविधि का नाम	गतिविधि का विवरण	वीडिओ देखने के लिए QR कोड स्कैन करें
4.1	व्यक्तिगत स्वच्छता अभ्यास Personal hygiene practice	इस दिन बच्चों में व्यक्तिगत स्वच्छता की अवधारणा की समझ हेतु गतिविधियां कराई जा सकती हैं। व्यक्तिगत स्वच्छता का अच्छी तरह से पालन करने वाले बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए पारितोषिक वितरण कार्यक्रम का आयोजन करवाया जा सकता है।	
4.2	स्वास्थ्य, स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम Health,hygiene and waste management programme.	इस दिन स्वास्थ्य, स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन संबंधित पेंटिंग, निबंध लेखन, स्वच्छता संबंधित नारा लेखन आदि गतिविधियां कराई जा सकती है।	
4.3	जीवन कौशल Life-skill	स्वयं की समझ, सृजनात्मकता, नेतृत्व क्षमता,डिजिटल साक्षरता, सामाजिक दक्षता आदि के समय एवं विकास हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा सकता है।	
4.4	MHM गतिविधियां (कक्षा 6 और उससे ऊपर के बालिकाओं लिए) MHM activities(Class 6 and above,only for girls)	नाटक, रोलप्ले, फिल्म बातचीत आदि का आयोजन कर इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया जाना चाहिए।	
4.5	किशोर-किशोरियों हेतु कार्यक्रम (तरंग) Programme for adolescent girls and boys(Tarang)	किशोरावस्था के महत्व तथा इसमें होने वाले नैसर्गिक परिवर्तन पर वार्तालाप करना, सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप नृत्य-संगीत प्रतियोगता का आयोजन करना, तनाव प्रबंधन हेतु शैक्षिक हास-परिहास प्रतियोगिता का आयोजन आदि कराया जा सकता है।	

4.6	मूल्य परक शिक्षा Value Education	पंचतंत्र की कहानियाँ, महापुरुषों की जीवनी, मूल्यपरक दोहे, रोलप्ले, नाटक तथा फिल्म आदि के माध्यम से बच्चों में मूल्यों के प्रति समझ विकसित किया जा सकता है।	
4.7	जीरो वेस्ट कैंपस Zero waste Campus	विद्यालय में जीरो वेस्ट कैंपस की अवधारणा की समझ तथा उसके अनुपालन के लिए प्रेरित करने हेतु गतिविधियों का आयोजन किया जाना चाहिए जैसे रसोई घर से निकले अवशिष्ट से खाद तैयार करना और पोषण वाटिका में इसका प्रयोग करना।	
4.8	साबुन बैंक की स्थापना Establishment of Soap Bank	बच्चों के बीच साबुन बैंक की अवधारणा और जरूरत पर चर्चा करेंगे इसमें छात्रों और शिक्षकों की साबुन बैंक की स्थापना और साबुन बैंक को समृद्ध बनाने के उपायों पर चर्चा और उनका क्रियान्वयन किया जा सकेगा।	
4.9	योग Yoga	योग की आवश्यकता, महत्व, उपयोगिता एवं तरीकों पर चर्चा करते हुए योग की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा सकता है।	
4.10	शिक्षकों की देखरेख में घरेलू सामग्री से कीटाणुनाशक तैयार करना Preparation of disinfectant under the supervision of teacher	शिक्षक/ शिक्षिका अपने देखरेख में छात्रों से घर में उपस्थित पदार्थों, जैसे:- काली मिर्च, लहसुन, अदरक, राख इत्यादि का प्रयोग कर कीटाणुनाशक को तैयार करेंगे।	
माह – अगस्त क्षेत्र (Domain) - " मैं हूँ देशभक्त / अभिनयकर्ता "			
क्रम संख्या	**गतिविधि का नाम**	**गतिविधि का विवरण**	**वीडिओ देखने के लिए QR कोड स्कैन करें**
5.1	विभिन्न प्रार्थना गीत Various prayer Song	शिक्षक विभिन्न प्रार्थना गीत से बच्चों का परिचय कराएँगे | यह प्रार्थना गीत हिंदी के अतिरिक्त बिहार के विभिन्न भाषाओँ और बोलियों की हो सकती हैं | इस प्रकार के प्रार्थना गीतों का संग्रह कर प्रतिदिन विद्यालय कार्य का आरम्भ इन गीतों के माध्यम से किया जा सकेगा |	
5.2	विविध वीरता पुरस्कारों /सम्मान पर चर्चा Discussion on Various gallentry Awards	शिक्षक बच्चों से वीरता पुरस्कारों एवं सम्मानों के संबंध में चर्चा करेंगे। देश की रक्षा में अपने प्राणों की बाजी लगाने वाले वीरों की वीर गाथाओं को बच्चों को सुनायेंगें |	
5.3	लोक गीत, क्षेत्रीय गीत, देशभक्ति गीत Folk song,Regional song,Patriotic song.	लोकगीत - अपने क्षेत्र में गायी जाने वाले गीतों को लोकगीत कहा जाता है जो परंपरागत रूप से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होता है | यह समुदाय एवं भाषा विशेष होता है | देशभक्ति गीत - ऐसे गीत जो राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत हो उसे देशभक्ति गीत कहते हैं |	

		शिक्षक छात्र-छात्राओं को अपनी दादी-नानी,माँ,पिता आदि से विभिन्न पर्व-त्योहारों और उत्सवों में गाये जाने वाले गीतों को सुनने, सीखने और गाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। लोक गीतों एवं क्षेत्रीय देशभक्ति गीतों को पहचानना एवं संग्रहित किया जा सकता है |	
5.4	रोल प्ले Role Play	जब छात्र-छात्रा किसी खास चरित्र की भूमिका उसके व्यवहारों के साथ निभाते हैं तो इस प्रकार की गतिविधि को रोल-प्ले कहा जाता है | शिक्षक को बच्चों से जीवन के विभिन्न छोटे-छोटे परिस्थितियों, विभिन्न विषयों पर रोल-प्ले करवाना चाहिए जिससे सीखने की इस प्रक्रिया में छात्र-छात्रा सक्रिय रूप से शामिल हो सकेंगे |	
5.5	नृत्य Dance	लय और ताल के साथ किया जाने वाला सौन्दर्यपरक अंग संचालन नृत्य है | शिक्षक बच्चों को भारत के विविध शास्त्रीय, लोक नृत्यों से परिचय करवा सकते हैं और बच्चों को विभिन्न नृत्यों को सीखने के लिए प्रेरित कर सकते हैं |	
5.6	माइम (मूक अभिनय) Mime(Silent Acting)	मूक अभिनय में बिना शब्दों का प्रयोग किये शारीरिक अंग संचालन और हावभाव के माध्यम से अभिनय किया जाता है | प्रायः इसकी प्रस्तुति में कलाकार के चेहरे को सफेद रंग से रंग दिया जाता है | अपने वर्ग कक्ष में अनेक विषयों को बिना बोले समझाने के लिए इसका प्रयोग शिक्षक कर सकते हैं |	
5.7	नुक्कड़-नाटक Street show	किसी भी ऐसे स्थान पर नाटक की प्रस्तुति जो पहले से निर्धारित न हो और जहाँ अपने दिनचर्या हेतु गए व्यक्ति ही दर्शक रूप में शामिल हो जाते हैं | ऐसी नाट्य प्रस्तुति को नुक्कड़ नाटक कहा जाता है | प्रायः यह अनेक सामाजिक और जागरूकता से जुड़े विषयों पर किया जाता है |शिक्षक विभिन्न दिवस/समारोह पर इन विषयों को आधार बनाकर बच्चों को नुक्कड़ नाटक करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे |	
5.8	प्रहसन, एंकरिंग Skit,Anchoring	प्रहसन – नाटक का वह विधा है जिसमें हास्य और व्यंग का प्रयोग किया जाता है | शिक्षक अनेक विषयों को लेकर इसे प्रस्तुत करवा सकते हैं | एंकरिंग- यह मंच संचालन की कला है जिसमें मंच पर प्रस्तुत होने वाली सभी प्रस्तुतियों को एंकर उसी तरह एक साथ गूंथता है जैसे माली अनेक फूलों को एक धागे में गूँथ कर माला बनाते हैं | शिक्षक बच्चों को एंकरिंग के लिए प्रोत्साहित करेंगे |	
5.9	लोक नृत्य Folk dance	सामान्य लोकजीवन, प्रचलित विश्वास, आस्था और परम्परा से जो नृत्य पैदा होता है उसे लोक नृत्य कहते हैं | शिक्षक बच्चों को विभिन्न पर्व-त्योहारों, उत्सवों में गाँव-घर और समुदायों में होने वाले नृत्यों को सीखने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं जिनकी प्रस्तुति विद्यालय के विविध आयोजनों में किया जा सकता है |	
5.10	वाद्ययंत्र बजाना Playing Instrument	संगीत में गीत गाने के साथ कुछ न कुछ बजाया जाता है | उसे ही वाद्ययंत्र कहते हैं | शिक्षक बच्चों को अपने गाँव-समुदाय में होने वाले संगीत कार्यक्रम का अवलोकन करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे और उसमें बजने वाले वाद्ययंत्रों का निर्माण कहाँ और किस प्रकार होता है । इसपर परियोजना करने के साथ ही यथा संभव वाद्ययंत्रों का निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे |	

माह – सितंबर   क्षेत्र (Domain) - “ मैं हूँ शिक्षक ”

क्रम संख्या	गतिविधि का नाम	गतिविधि का विवरण	वीडिओ देखने के लिए QR कोड स्कैन करें
6.1	बाल अधिकार पर कार्यक्रम Programme on Child rights	शिक्षक द्वारा बच्चों को बाल अधिकार से संबंधित जानकारी दिया जायेगा। जिसमें बतलाया जायेगा कि शिक्षा के कानून के अंतर्गत सभी बच्चे जिनकी उम्र 6-14 साल की हो, वैसे बच्चे का विद्यालय में नामांकित होना बच्चे का अधिकार है। यह कानून कहता है की जिस बच्चे का पढ़ने का उम्र है उन्हें काम से हटा कर विद्यालय में नामांकित होना चाहिए अन्यथा इस कानून के तहत बच्चों के अभिभावक के साथ बच्चे पर कानूनी कार्यवाई हो सकती है	
6.2	शिक्षक दिवस पर विशेष कार्यक्रम Special programme on Teachers day.	शिक्षक द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जीवनी (व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व) पर प्रकाश डालते हुए शिक्षक के प्रति सम्मान की भावना जागृत करने हेतु शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यालय में वाद-विवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय में किया जा सकता है।	
6.3	नक्शा पढ़ना/बनाना Map reading	विद्यालय में शिक्षक द्वारा उपलब्ध मानचित्रों को दिखाते हुए बच्चों को मानचित्र एवं उसके संकेत चिन्हों के बारे में बताना एवं रेखा चित्रों के द्वारा नक्शा बनवाना और संकेतों को दर्शाना। साथ ही बच्चों से विद्यालय एवं उसके गाँव / मोहल्ले/ टोला आदि का नजरी नक्शा का निर्माण करवाना।	
6.4	वित्तीय साक्षरता Financial Literacy	इसमें बच्चों को बैंक, डाकघर का भ्रमण कराते हुए शिक्षक द्वारा बैंक और डाकघर में होने वाले वित्तीय लेनदेन और क्रियाकलापों से संबंधित जानकारी दी जाएगी। साथ ही विद्यालय में बच्चों के द्वारा बैंकों एवं डाकघरों से संबंधित गतिविधि करवाना। जैसे- निकासी एवं जमा पर्ची भरवाना, बैंक ड्राफ्ट, चेक, ATM , क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड बीमा आदि से संबंधित जानकारी देना।	
6.5	अपने आस-पास के समस्या के समाधान हेतु किए गए प्रयास पर चर्चा Discussion on the effort made to solve problems of immediate surroundings.	विद्यालय में शिक्षक द्वारा बच्चों के साथ आस-पास के समस्या की पहचान और उसके निदान हेतु योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी की समझ बनाना और इसका उपयोग करने के लिए प्रेरित करना।	
6.6	“हमारी भी सुनिए कार्यक्रम” “Hamari Bhi Suniye”	हमारी भी सुनिए कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक बच्चों का किसी एक एक शनिवार को शिक्षक-छात्र संवाद गोष्टी का आयोजन करेंगे। जिसमें बच्चे बेझिझक अपनी कठिनाईयों, स्कूल से संबंधित शिकायतों, समस्याओं को शिक्षकों के बीच रखेंगे साथ ही विद्यालय के शिकायत पेटी से बच्चों द्वारा बताई गयी समस्याओं का निवारण करने का प्रयास किया जायेगा।	

6.7	पोषण मेला (Poshan Mela)	विद्यालय में पोषण मेला लगायेंगे और उसमें सभी खाद्य सामग्रियों को प्रदर्शित करेंगे		
6.8	मीडिया साक्षरता Media Literacy	विभिन्न प्रकार के मीडिया और उसके उपयोग के बारे में जानकारी दी जाएगी		
6.9	सहयोगात्मक शिक्षण Collaborative Learning	सहयोगात्मक शिक्षण के तहत शिक्षक बच्चों के समूह को एक साथ गतिविधि के साथ सीखने के लिए प्रेरित करेंगे	जिससे बच्चे एक दूसरे का सहयोग करते हुए और एक दूसरे की बातों को जानते हुए रचनात्मक कार्य कर पाएंगे साथ ही ज्यादा से ज्यादा सीख पाएंगे		
6.10	बुक बैंक निर्माण Book Bank Formation	शिक्षक, अभिभावक, समुदाय और पूर्व के छात्र-छात्राओं के द्वारा विद्यालय में शैक्षणिक पत्र-पत्रिकाएँ , पुस्तक और अन्य पठन सामग्री का स्वैच्छिक दान देकर बुक बैंक का निर्माण किया जायेगा	जिससे वर्तमान में पढ़ रहे छात्र-छात्राएं उसका अपने शिक्षण में समुचित उपयोग कर पायेंगे		

माह – अक्तूबर क्षेत्र (Domain) - " मैं हूँ अनुसंधानकर्ता "

क्रम संख्या	गतिविधि का नाम	गतिविधि का विवरण	वीडिओ देखने के लिए QR कोड स्कैन करें
7.1	गणित मेला Mathematics fair	गणित के प्रति रूचि बढ़ाने एवं उसे आसान बनाने के लिए विद्यालय में गणित मेला का आयोजन करवाना जिसमें गणित से संबंधित सभी प्रकार की आकृतियाँ, संख्या, मापतौल को प्रदर्शित करने वाली चार्ट एवं वस्तुओं का प्रदर्शन के साथ ही सरल गतविधियों पर आधारित गणितीय खेल का आयोजन किया जा सकता है।	
7.2	आसपास के स्कूलों, अस्पतालों, फैक्ट्री, डाकघरों, बैंक, पंचायत भवन, नर्सरी आदि का भ्रमण Visit to nearby schools,hospitals.factories,post offices,banks,panchayat buildings,nurseries etc.	बच्चों का समूह बनाकर इन स्थानों पर शैक्षिक भ्रमण करवाया जा सकता है जिससे बच्चों में इन स्थानों के महत्व, उपयोगिता तथा वहाँ के कार्यशैली की समझ विकसित हो सके।	
7.3	स्थानीय महत्व रखने वाले सांस्कृतिक स्थानों का भ्रमण Visiting place of local importance	विद्यालय के आसपास स्थानीय सांस्कृतिक महत्व रखने वाले ऐतिहासिक, पुरातात्विक अथवा शैक्षणिक उपयोगिता से संबंधित स्थानों पर ग्रुप बनाकर शैक्षणिक भ्रमण करवाएं। जिससे अपने स्थानिये महत्व रखने वाले सांस्कृतिक स्थानों को जानने -समझने एवं संरक्षित करने की समझ विकसित हो।	

7.4	पड़ोस के कामगारों (कुम्हार, लोहार, बुनकर, आदि) के पास भ्रमण एवं परस्पर संवाद Visiting and interaction with local neighbourhood (potter,blacksmith,and weavers etc.)	बच्चों का समूह बनाकर आसपास के कुम्हार, लोहार, बुनकर इत्यादि के पास शैक्षणिक भ्रमण करवाया जा सकता है जिससे बच्चों में उनके काम करने के तरीकों के प्रति समझ एवं उनके काम के प्रति सम्मान का भाव विकसित हो।	
7.5	विज्ञान मेला Science Fair	विद्यालय में विज्ञान मेले का आयोजन करवाएं जिसमें बच्चे विज्ञान से संबंधित वस्तुओं, चित्र, चार्ट, प्रोजेक्ट, मॉडल आदि का प्रदर्शन करेंगें तथा आसान प्रयोगों को कर के दिखाने के लिए प्रोत्साहित करेंगें।	
7.6	वैज्ञानिकों पर प्रोजेक्ट कार्य Project-work on Scientists	बच्चों से प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के चित्र एकत्र करवाएं। वैज्ञानिकों की जीवनी एवं उनकी उपलब्धियों के बारे में प्रोजेक्ट बनवाये तथा रोल प्ले करने की गतिविधि भी करवा सकते हैं -	
7.7	Inspire Award से संबंधित प्रोजेक्ट निर्माण Project formation in line with inspire awards.	अवार्ड मानक योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दें यह बताएं कि भारत सरकार के विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग की तरफ से 10 हजार तक की राशि दी जाती है, छठी से दसवीं तक के विद्यार्थी प्रत्येक विद्यालय से कम से कम 5 विद्यार्थी को ऑनलाइन आवेदन की अनुमति होती है। जिससे बाल वैज्ञानिकों की संख्या में वृद्धि होगी तथा बच्चे नए-नए वैज्ञानिक खोजों एवं तकनीकों में निपुण होंगे।	
7.8	विज्ञान/ अनुसंधान से संबंधित फिल्म का प्रदर्शन Film screening on the topic of Science/Research	विज्ञान अनुसंधान से संबंधित फिल्म को दिखाएं। बच्चों में विज्ञान एवं तकनीकी के प्रति रूचि तथा नए विचारों के प्रति उत्सुकता जागृत होगी।	
7.9	खेल- खेल में विज्ञान से संबंधित गतिविधियां Play based Science activities	विद्यालय में विज्ञान विषय आधारित खेल गतिविधियां करवाई जाए। खेल खेल में बच्चे विज्ञान की अवधारणा की समझ विकसित कर सकेंगे एवं विषय के प्रति रुचि जागृत होगी।	
7.10	विज्ञान प्रश्नोत्तरी Science quiz	विज्ञान विषय से संबंधित प्रश्नों का चयन, संकलन, निर्माण तथा क्विज़ का आयोजन करवाया जा सकता है।	

माह – नवंबर क्षेत्र(Domain) - “ मैं हूँ खिलाड़ी ”

क्रम संख्या	गतिविधि का नाम	गतिविधि का विवरण	वीडिओ देखने के लिए QR कोड स्कैन करें
8.1	शारीरिक व्यायाम (Physical Training)	शारीरिक व्यायाम से संबंधित कुछ अनायी गतिविधियों/ व्यायाम का अभ्यास करवाया जा सकता है।	
8.2	छोटे खेल (आइस ब्रेकर) Small Play(Ice-breaker)	वैसी गतिविधियां जो पढ़ाई की एकरसता को भंग कर पुनः नई ऊर्जा के साथ अगले कार्य के लिए तैयार करती है, आइस ब्रेकर के अंतर्गत आते हैं। इसके अंतर्गत विपरीत अर्थ वाले खेल जैसे- इन-आउट अर्थात् बच्चा इन में बाहर जाएगा और आउट में अंदर इत्यादि खेल।	
8.3	जुंबा (Zumba)	यह व्यायाम का ही एक प्रकार है, जिसे बच्चे बहुत पसंद करते हैं। यह एक ऐसा डांस वर्क आउट है, जिसमें गीत-संगीत के धुन पर व्यायाम किया जाता है।	
8.4	एरोबिक्स Aerobics	यह भी एक प्रकार का व्यायाम है, जिसे करना बहुत ही आसान है। यह भी प्रायः संगीत के साथ किया जाता है	
8.5	इंडोर गेम्स Indoor games	वैसे सभी खेल जिसके लिए ज्यादा जगह या मैदान की जरूरत नहीं होती इंडोर गेम्स के अंतर्गत आते हैं। जैसे- लूडो, शतरंज, कैरम इत्यादि।	
8.6	आउट्डोर गेम्स Outdoor games	वैसे खेल जो मैदान में ही खेले जा सकते हैं आउटडोर गेम्स कहलाते हैं। जैसे- क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी इत्यादि।	
8.7	स्थानीय खेल Local games	वैसे खेल जो स्थान विशेष में खेले जाते हों स्थानीय खेल कहे जाते हैं। जैसे- गिल्ली डंडा, छुपन-छुपाई, कंचा (गोली) इत्यादि।	
8.8	विभिन्न खेल से संबंधित प्रोजेक्ट कार्य Project work on various games	विद्यालय में विभिन्न प्रकार के स्थानीय, राष्ट्रीय खेल आदि से संबंधित परियोजना कार्य करने के लिए बच्चों को दिया जा सकता है। जैसे- खेल को खेलने की विधि, उसमें शामिल खिलाडियों की संख्या, खेल के प्रकार, उस खेल के प्रमुख खिलाड़ी आदि पर परियोजना कार्य आधारित हो सकता है।	

8.9	स्थानीय खिलाड़ियों का विद्यालय में बच्चों से बातचीत Interaction of children with local Players	विद्यालय के आसपास या प्रखंड स्तर, जिला स्तर के किसी वैसे प्रमुख/चर्चित खिलाड़ी को स्कूल में आमंत्रित करना और उनके साथ बच्चों से बातचीत का आयोजन करना | अगर किसी कारण वश वो स्कूल आने में असमर्थ हैं तो वैसी स्थिति में शिक्षक इस खास दिन को बच्चों के साथ उस खिलाड़ी के घर पर जाकर भी उनसे बातचीत का आयोजन कर सकते हैं |	
8.10	खेल से संबंधित वीडियो /फिल्म का प्रदर्शन Sports related video/film Screening.	विभिन्न स्थानीय, राष्ट्रीय स्तर पर खेले जाने वाले खेलों से संबंधित वीडियो/ फिल्म का विद्यालय में प्रदर्शन और प्रदर्शन के बाद उस पर बच्चों के साथ बातचीत का आयोजन किया जायेगा |	

माह – दिसम्बर क्षेत्र (Domain) - " मैं हूँ समाज सेवक "

क्रम संख्या	गतिविधि का नाम	गतिविधि का विवरण	वीडिओ देखने के लिए QR कोड स्कैन करें
9.1	स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ बातचीत Interaction with local Police officers	स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ बातचीत के अवसर प्रदान करना, जिससे बच्चों में उनके कार्यों की जानकारी समाज के प्रति उनकी उपयोगिता तथा कानून के प्रति सम्मान का भाव विकसित हो सके।	
9.2	विद्यालय के पोषण क्षेत्र से संबंधित रोजगार संबंधी कार्यों की जानकारी I जैसे उन्नत कृषि कार्य, पशुपालन, मुर्गी पालन, जीविका ,लघु कुटीर उद्योग, Understanding the various employment related work in the School catchment area (Advance agriculture, animal husbandry, poultry, Jeevika, small cottage industries)	अपने आसपास के लोगों के द्वारा अपनाए जाने वाले जीवन यापन के विभिन्न स्वरूपों के बारे में जानकारी देना, इन्हें विद्यालय में आमंत्रित कर बच्चों के साथ परिचर्चा का आयोजन करवाया जा सकता है।	
9.3	सामाजिक स्तर पर व्याप्त कुरीतियों और कुरीतियों के उन्मूलन के लिए विशेष चर्चा Special discussion on social evils and its eradication .	बच्चों को समाज में बढ़ रहे कुरीतियों के बारे में एवं उससे संबंधित होने वाली घटनाओं को जोड़कर उन पर चर्चा करना। शिक्षकों द्वारा लघु फिल्म दिखाकर नाटक करवाकर एवं पाठ्य पुस्तक से संबंधित विषय को जोड़कर इसकी चर्चा करना जैसे- अंधविश्वास, बच्चों के साथ छेड़छाड़, जातिवाद, भेदभाव, दहेज प्रथा, बाल विवाह इत्यादि पर बच्चों से वाद- विवाद, निबंध प्रतियोगिता इत्यादि करवाना और उनकी उन्मूलन पर चर्चा करना। बच्चों में सामाजिक कुरीतियों की समझ पैदा करना और उसे कैसे कम किया जाए इसके प्रति सहज उन्हें तैयार करना।	

9.4	शिक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे किसी विशेष योजना की जानकारी Special Projects run by Department of Education.	विद्यालय स्तर पर बच्चों को शिक्षा की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देना। जैसे- बालिकाओं की प्राथमिक शिक्षा, बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ योजना इत्यादि। शिक्षकों द्वारा बच्चों को सामूहिक रूप से ग्रुप बनाकर विभिन्न योजना की जानकारी देना एवं उस पर वाद-विवाद करवाना एवं लघु फिल्म दिखाना।	
9.5	अपने आस-पास के महत्वपूर्ण सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत Interaction with the important local Social workers.	बच्चों को सर्वप्रथम सामाजिक कार्यकर्ताओं जैसे-जनप्रतिनिधि, ए एन एम दीदी, टोला सेवक, जीविका दीदी, चौकीदार इत्यादि लोगों के बारे में चर्चा करना एवं उनकी उपयोगिता को समझाना। शिक्षक बच्चों को इनके कार्यों की जानकारी देंगे एवं स्थानीय क्षेत्र पर ले जाकर उनसे बातचीत करने का अवसर प्रदान करेंगे।	
9.6	समाज सेवा से संबंधित कहानियों का संकलन एवं वाचन Collection and reading of stories related to social service.	बच्चों को किसी महान व्यक्तित्व वाले व्यक्ति की कहानी सुनाना एवं समाजसेवी की सूची तैयार करना और उनके द्वारा किए गए कार्यों की चर्चा करना। जैसे- राजा राममोहन राय समाज सुधारक के ऊपर चर्चा एवं लघु फिल्म दिखाना।	
9.7	सामाजिक कार्यकर्ता होने के लिए पेशेवर तैयारी पर कैरियर मार्गदर्शन Career Guidance on the Professional preparation to be social worker.	शिक्षकों द्वारा बच्चों को यह बताना कि सामाजिक कार्यकर्ता की क्या-क्या विशेषताएं होनी आवश्यक है साथ ही इसे रोजगार में और इस क्षेत्र में क्या-क्या विकल्प हो सकते हैं। बच्चों को विभिन्न क्षेत्र जैसे- मेडिकल, इंजीनियरिंग कंप्यूटर आदि में उनकी उपयोगिता को बताते हुए उसका कैरियर मार्गदर्शन करना।	
9.8	अपने आस-पास के समस्या/ स्कूलों से संबंधित तत्काल समस्या का कारण खोजना (छोड़ना, अनुपस्थिति, और कम शैक्षणिक उपलब्धि) Finding the cause of immediate problems of nearly places (Dropping out,absenteeism, and low academic achievement)	विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति कम क्यों है एवं बच्चे आने के लिए उत्सुक क्यों नहीं है इन सभी विषयों पर चर्चा करना। शिक्षकों द्वारा बच्चों की एक सूची तैयार करना जिसमें कितने बच्चे अनुपस्थित है और किन बच्चों ने विद्यालय छोड़ दिया है एवं विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों में इनकी भागीदारी कम हो रही है इस पर चर्चा की जाए तथा माता-पिता से मिलकर कारणों का पता किया जाए	

9.9	व्यक्तिगत बच्चे के अधिकारों और कर्तव्यों पर चर्चा Discussion on the rights and duties of individual child.	बच्चों को पाठ्य पुस्तक या लघु फिल्म दिखाकर उनके अधिकार एवं कर्तव्यों की चर्चा करना समाज में दिख रहे आसपास के घटनाक्रम को जोड़कर शिक्षक उनके अधिकारों की जानकारी देंगे जैसे - शिक्षा का अधिकार ,बाल संरक्षण अधिकार, बाल शोषण के विरुद्ध अधिकार इत्यादि साथ ही बच्चों का समाज व देश के प्रति क्या कर्तव्य है उस पर भी आपसी बातचीत करेंगे।	
9.10	मादक द्रव्यों के सेवन पर चर्चा, पोस्टर बनाना और नाटक करना Discussion on substance abuse,poster making and drama.	बच्चों को नशीले पदार्थों की जानकारी देते हुए इनके नुकसान की चर्चा करना एवं शिक्षकों द्वारा विभिन्न पोस्टरों जो मादक द्रव्यों के सेवन पर आधारित हो बच्चों को दिखाना एवं स्वयं बच्चों को भिन्न-भिन्न पोस्टर बनवाने एवं स्लोगन लिखने के लिए प्रेरित करना। जैसे – जन- जन का है यही संदेश नशा मुक्त हो अपना देश|' साथ ही बच्चों के द्वारा नाटक प्रस्तुति भी करना	

माह – जनवरी क्षेत्र (Domain) - “ मैं हूँ वैज्ञानिक ”

क्रम संख्या	गतिविधि का नाम	गतिविधि का विवरण	वीडिओ देखने के लिए QR कोड स्कैन करें
10.1	वैज्ञानिक सोच का विकास/ विज्ञान पर प्रदर्श निर्माण (व्यवहार आधारित शिक्षा) Development of Scientific thought/Project making,Practical based teaching)	शिक्षक विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण द्वारा ज्ञान को बढ़ावा देंगे एवं वैज्ञानिक सोच द्वारा विद्यार्थी किसी घटना को क्या, क्यों और कैसे के चश्मे से देख सकेंगे और विज्ञान सम्मत एक निर्णय पर पहुंच सकेंगे।	
10.2	सामान्य ज्ञान क्विज General Science Quiz	शिक्षक द्वारा छात्रों के सामान्य ज्ञान को परखने के लिए छात्रों से विज्ञान का इतिहास, खेल, राजनीति, शास्त्रीय संगीत, कला ,साहित्य, सामान्य विज्ञान, जीव विज्ञान ,खोज और अन्वेषण, फैशन ,लोकप्रिय संगीत, सहित मनोरंजन इत्यादि से संबंधित प्रश्न पूछेंगे जिससे उनके आम तौर पर सामान्य ज्ञान को परखा जा सके।	
10.3	शैक्षिक फिल्मों और वीडियो का प्रदर्शन Screening of Educational Films/Videos	शिक्षक शैक्षिक वीडियो जैसे नवाचारी माध्यम का निर्माण करके और अन्य शैक्षिक फिल्मों जैसे तारे जमीन पर, 3 इडियट , हिचकी, सुपर 30 इत्यादि का प्रदर्शन करके उनसे मिलने वाली जानकारियों के बारे में विद्यार्थियों से वार्तालाप करेंगे ,जिससे छात्र मनोरंजन के साथ-साथ शैक्षिक जानकारियां हासिल कर पाएंगे।	

10.4	विभिन्न आईसीटी उपकरणों का प्रयोग Use of ICT equipment	शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को आईसीटी के विभिन्न उपकरणों जैसे रेडियो, टीवी, वीडियो, डीवीडी, टेलीफोन , सैटेलाइट प्रणाली, कम्प्यूटर और नेटवर्क हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर आदि सभी के बारे में जानकारी दी जाएगी और उनका प्रयोग किस तरीके से किया जाएगा उसका प्रायोगिक ज्ञान दिया जाएगा ।	
10.5	विज्ञान मेला , विज्ञान प्रश्नोत्तरी Science fair,Science quiz	विज्ञान मेला/ विज्ञान प्रदर्शनी के निर्माण के लिए शिक्षक ऐसी गतिविधियां करेंगे जिससे छात्रों में रचनात्मक विचारों का प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त हो सके और उनकी रचनात्मकता को अच्छी तरह से पोषित किया जा सके ।	
10.6	विभिन्न आईसीटी उपकरणों पर परियोजना निर्माण Use of ICT	शिक्षक विभिन्न आईसीटी उपकरणों जैसे रेडियो, टीवी, वीडियो, डीवीडी, मोबाइल, कंप्युटर इत्यादि का प्रयोग करके परियोजना निर्माण की गतिविधि कराएंगे और उनके उद्देश्य को छात्रों को समझाएंगे।	
10.7	मोबाईल फोटोग्राफी एवं लघु वीडियो निर्माण Mobile photography and video making	शिक्षक मोबाइल के द्वारा छात्रों को फोटोग्राफी और लघु वीडियो का निर्माण करना सिखाएंगे ।	
10.8	विभिन्न विज्ञान प्रदर्श का निर्माण Development of Science project.	प्रदर्शनी के माध्यम से छात्र और अध्यापक विज्ञान के नए अनुसंधान द्वारा समाज में परिवर्तन लाने का काम कर सकेंगे।	
10.9	भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के बारे में जानना Knowing about the famous scientist of India	शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न वैज्ञानिकों के बारे में जानकारी दी जाती है जिससे उनके विज्ञान के ज्ञान को बढ़ावा मिल सके और वह विज्ञान की नई-नई खोज करने के लिए प्रेरित हो सकेंगे।	
10.10	खेल- खेल में विज्ञान से संबंधित गतिविधियां Activities related to Science through play.	तरीके से प्रस्तुत करेंगे, जिससे बच्चों में खेल- खेल में विज्ञान में रुचि जागृत हो सकेंगे।	

माह – फ़रवरी क्षेत्र (Domain) - " मैं हूँ साहित्यकार "

क्रम संख्या	गतिविधि का नाम	गतिविधि का विवरण	वीडिओ देखने के लिए QR कोड स्कैन करें
11.1	स्लोगन लेखन/पठन Slogan writing/reading	किसी विचार या उद्देश्य को अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरणादायक तथा ऊर्जावान आदर्श वाक्य नारा (स्लोगन) कहलाता है। शिक्षक बच्चों को प्रेरित करेंगे कि वे किसी जयंती, विशेष दिवस या किसी विषय वस्तु जैसे ऋतु,त्यौहार, खेल, स्वास्थ्य ,सुरक्षा, सफाई, भाईचारा आदि से संबंधित स्लोगन एकत्रित करेंगे /लिखेंगे तथा विद्यालय में सुनाएंगे।	
11.2	कविता लेखन/पठन, कहानी लेखन/ पठन Poem writting/reading.story writting/reading	पाठ्यपुस्तक के अलावा अन्य स्रोत यथा लाइब्रेरी, बाल पत्रिका, बाल कहानी संग्रह, बाल कविता संग्रह आदि से कहानी/ कविता का पठन कर सकते हैं, साथ ही बच्चों को छोटी- छोटी कविताएं /कहानियां लिखने तथा सुनाने को प्रेरित किया जा सकता है।	
11.3	शब्द अंताक्षरी खेलना Word Ankashari	वर्ग- अनुकूल स्थिति को ध्यान में रखते हुए हिंदी अथवा अंग्रेजी भाषा के शब्दों से अंताक्षरी का खेल, समूह बनाकर आयोजित किया जा सकता है।	
11.4	गांधी कथा वाचन Gandhi vaachan	महात्मा गांधी के जीवन से संबंधित छोटी-छोटी घटनाओं पर आधारित कथा बच्चों को सुनाएंगे। बच्चों के बीच से भी कुछ बच्चे कथा सुना सकते हैं।	
11.5	भाषण/ आशुभाषण प्रतियोगिता Speech/elocution competition	पहले से दी गई किसी विषय वस्तु पर अपने विचारों को अभिव्यक्त करना भाषण कहलाता है तथा आशु भाषण में विषय तत्काल दिया जाता है और वक्ता को उस विषय पर मंथन कर अपना वक्तव्य तैयार करने के लिए 5 से 10 मिनट का समय दिया जाता है। किसी भी विषय- वस्तु पर जैसे त्योहार, खेल, जयंती, स्वास्थ्य, सफाई, सुरक्षा, भाईचारा एवं कोई घटना या गतिविधि से संबंधित विषय पर भाषण/ आशु भाषण का आयोजन किया जाना चाहिए।	
11.6	निबंध Essay	सरल शब्दों में छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग करते हुए निबंध लिखने की क्षमता का विकास कराने हेतु निबंध गतिविधि का आयोजन किया जा सकता है I इसमें स्थानीय विषय की प्राथमिकता दी जानी चाहिए।	
11.7	यात्रा वृतांत/ संस्मरण Travelogue/memoir	यात्रा वृतांत /संस्मरण किसी घटना, यात्रा या गतिविधि के संबंध में खुद के अनुभव का विवरण होता है। इससे बच्चों में सृजनशीलता का विकास होता है। बच्चों के खुद से संबंधित किसी घटना/ यात्रा के बारे में लिखने के लिए प्रेरित किया जाए Iछोटे बच्चे मौखिक रूप से भी सुना सकते हैं।	
11.8	स्पेलिंग बी Spelling Bee	यह एक स्पेलिंग प्रतियोगिता है, जिसमें हिंदी /अंग्रेजी के शब्दों को अक्षरों में तोड़कर बताने की गतिविधि कराई जाती है। इससे बच्चों में शब्द को शुद्ध रूप से लिखने की क्षमता का विकास होगा।	

11.9	क्रॉसवर्ड Crossword	क्रॉसवर्ड एक खेल है, जिसमें लंबवत तथा क्षैतिज रूप से खाने बने रहते हैं इन खाली खानों में अक्षर भरकर अर्थपूर्ण शब्द का निर्माण किया जाता है Iपहले शिक्षक खुद एक उदाहरण स्वरूप क्रॉसवर्ड प्रॉब्लम का समाधान कर बच्चों को दिखाएंगे , बाद में बच्चों के बीच प्रतियोगिता भी कराई जा सकती हैI	
11.10	डिबेट (वाद-विवाद) Debate	बच्चों को दो समूहों में बांट कर किसी भी विषय वस्तु के पक्ष एवं विपक्ष में बोलने के लिए प्रेरित करेंI इससे बच्चों में तर्क करने की क्षमता का विकास होगा इसे किसी प्रतियोगिता का भी रूप दिया जा सकता हैI	

माह – मार्च क्षेत्र (Domain) - " मैं हूँ विरासत हितैषी /संरक्षक " *(वैकल्पिक)*

क्रम संख्या	**गतिविधि का नाम**	**गतिविधि का विवरण**	**वीडिओ देखने के लिए QR कोड स्कैन करें**
12.1	विशेष दिवस समारोह Special Day celebration	विशेष दिवस समारोह (जयंती/त्योहार/राष्ट्रीय पर्व) जैसे- पर्यावरण दिवस, पृथ्वी दिवस,स्वच्छता दिवस आदि से संबंधित जानकारी बच्चों दिया जाए और इसपर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे –नाटक, संगीत आदि का विद्यालय में आयोजन किया जाए		
12.2	एक भारत- श्रेष्ट भारत कार्यक्रम(त्रिपुरा) Ek Bharat-Shreshtha Bharat programme (Tripura)	शिक्षक इस कार्यक्रम के तहत बच्चों के बीच त्रिपुरा की संस्कृति, वहां के खान-पान ,पहनावा एवं रहन-सहन से संबंधित जानकारी देंगे		
12.3	विशेष दिन/विशेष विषय पर प्रश्नोत्तरी Special days/special subject	शिक्षक बच्चों के बीच प्रश्नोतरी प्रतियोगिता कराते हुए किसी विशेष दिन और विशेष विषय पर जानकारी दिया जा सकता है		
12.4	आस-पास के पर्यटक स्थल का भ्रमण Visiting the nearest tourist place.	विद्यालय के आस-पास के पर्यटक स्थलों जैसे- सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के स्थानों का शैक्षणिक भ्रमण कराया जा सकता है | बच्चों से इससे संबंधित प्रोजेक्ट वर्क भी कराया जा सकता है |	
12.5	हमारी संस्कृति,सभ्यता, विरासत पर विशेष कार्यक्रम Special programme on culture, civilization, heritage	विद्यालय के बच्चों को वीडियो/ ICT/ कैलेंडर/ दृश्य-श्रव्य के माध्यम से अपनी संस्कृति, सभ्यता और विरासत की जानकारी उपलब्ध कराएँगे और उसपर बच्चों से चर्चा करेंगें | इससे संबंधित क्विज़ भी कराया जा सकता है।	
12.6	एक भारत- श्रेष्ट भारत कार्यक्रम(मिजोरम) Ek Bharat-Shreshtha Bharat (Mizoram)	एक भारत – श्रेष्ट भारत कार्यक्रम के तहत बच्चों के बीच मिजोरम की संस्कृति, वहां के खान-पान ,पहनावा एवं रहन-सहन से संबंधित जानकारी देंगे |	

12.7	बिहार, त्रिपुरा और मिजोरम से संबंधित यूनेस्को विरासत स्थल पर फिल्म प्रदर्शन The film Screening on the UNESCO sites of Bihar,Tripura and Mizoram	विद्यालय में बिहार, त्रिपुरा और मिजोरम से संबंधित यूनेस्को विरासत स्थल पर बनी फिल्मों का प्रदर्शन किया जा सकता है |	
12.8	बिहार में वन्यजीव अभ्यारण्य और राष्ट्रीय उद्यान के बारे में जागरूकता। Awareness on the Wildlife sanctuaries and National Parks in Bihar	विद्यालय के द्वारा बच्चों को बिहार में वन्यजीव अभ्यारण्य और उद्यान से संबंधित स्थलों जैसे - पटना जू, राजगीर सफारी, बाल्मीकि नगर आदि के बारे में बच्चों को वीडियो/ दृश्य-श्रव्य के माध्यम से जानकारी देना |	
12.9	अपशिष्ट प्रबंधन के तीन 'R' पर कार्य (Reduce, Reuse, and Recycle)	विद्यालय और आसपास में बेकार पड़े वैसे वस्तु/ पदार्थ जो पर्यावरण को नुकसान पहुँचता हो वैसे वस्तु / पदार्थों के अपशिष्ट प्रबंधन के तीन 'R' द्वारा उसके कम उपयोग, पुनः उपयोग, पुनः चक्रण प्रक्रिया पर आधारित नाटकीय गतिविधि कराते हुए बच्चों को जानकारी दिया जा सकता है |	
12.10	बिहार के प्रसिद्ध पुरातत्व स्थलों के बारे में जानना To know about the famous archaeological sites of Bihar.	विद्यालय में कराये गए शैक्षिण भ्रमण, बिहार के प्रसिद्ध पुरात्तव स्थलों जैसे – नालंदा का खंडहर, राजगीर का जरासंध अखाड़ा, गर्म कुंड, सासाराम का शेरशाह का मकबरा,जहानाबाद का बराबर पहाड़ी, कैमूर का मुंडेश्वरी मंदिर आदि के बारे में बच्चों के बीच चर्चा करना एवं वीडियो या प्रिंट तस्वीर/कैलेण्डर आदि के द्वारा जानकारी दिया जा सकता है |	

सुरक्षित शनिवार' का वैगन व्हील : (समय: 12:00pm-1:00pm)

निर्देश

1. सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का उद्देश्य है कि विद्यालय के बच्चों में जोखिमों की पहचान एवं उससे बचाव करने की क्षमता, ज्ञान तथा आत्मविश्वास विकसित किया जाए ताकि वे किसी प्रकार के आपदा प्रत्युत्तर के लिए तैयार हो सकें।
2. बाल प्रेरकों द्वारा अन्य सभी बच्चों को एक साथ ज्ञान एवं कौशल स्थानांतरित करने का तरीका अन्य शिक्षण प्रद्धति से ज्यादा उपयुक्त होता है। अतः बाल प्रेरकों को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।
3. प्रत्येक विद्यालय के फोकल शिक्षक सभी बाल प्रेरकों के साथ शनिवार के एक दिन पूर्व वार्षिक–सारणी में निर्धारित गतिविधियों के अनुरूप योजना तैयार करेंगें
4. सुरक्षित शनिवार की गतिविधियाँ प्रत्येक शनिवार के चेतना सत्र तथा अंतिम सत्र में अनिवार्य रूप से आयोजित करेंगे।
5. जिस माह में पाँचवा शनिवार पड़े उस स्थिति में बच्चों को स्वच्छता संबंधी विषयों के बारे में जानकारी दिया जाए एवं अभ्यास करायें।
6. जुलाई के प्रथम पखवारे (1–15 जुलाई) में विद्यालय सुरक्षा पखवारा तथा 4 जुलाई को विद्यालय सुरक्षा दिवस प्रत्येक विद्यालय में आयोजित होगा। विद्यालय सुरक्षा पखवारे में क्षेत्र विशेष को प्रभावित करने वाली सभी आपदाओं (सुखाड़ सहित) पर आधारित कार्यक्रम किये जायेंगे।
7. स्थानीय विशेष कारणों से सप्ताह में वर्णित गतिविधियों को आगे–पीछे किया जा सकता है।
8. विद्यालय में लंबी छुटी होने की स्थिति में बच्चों को गृहकार्य के रूप में विद्यालय सुरक्षा से संबंधित विषयों का अभ्यास एव उसपर चर्चा करने संबंधी कार्य दिये जाएं।

unicef | for every child

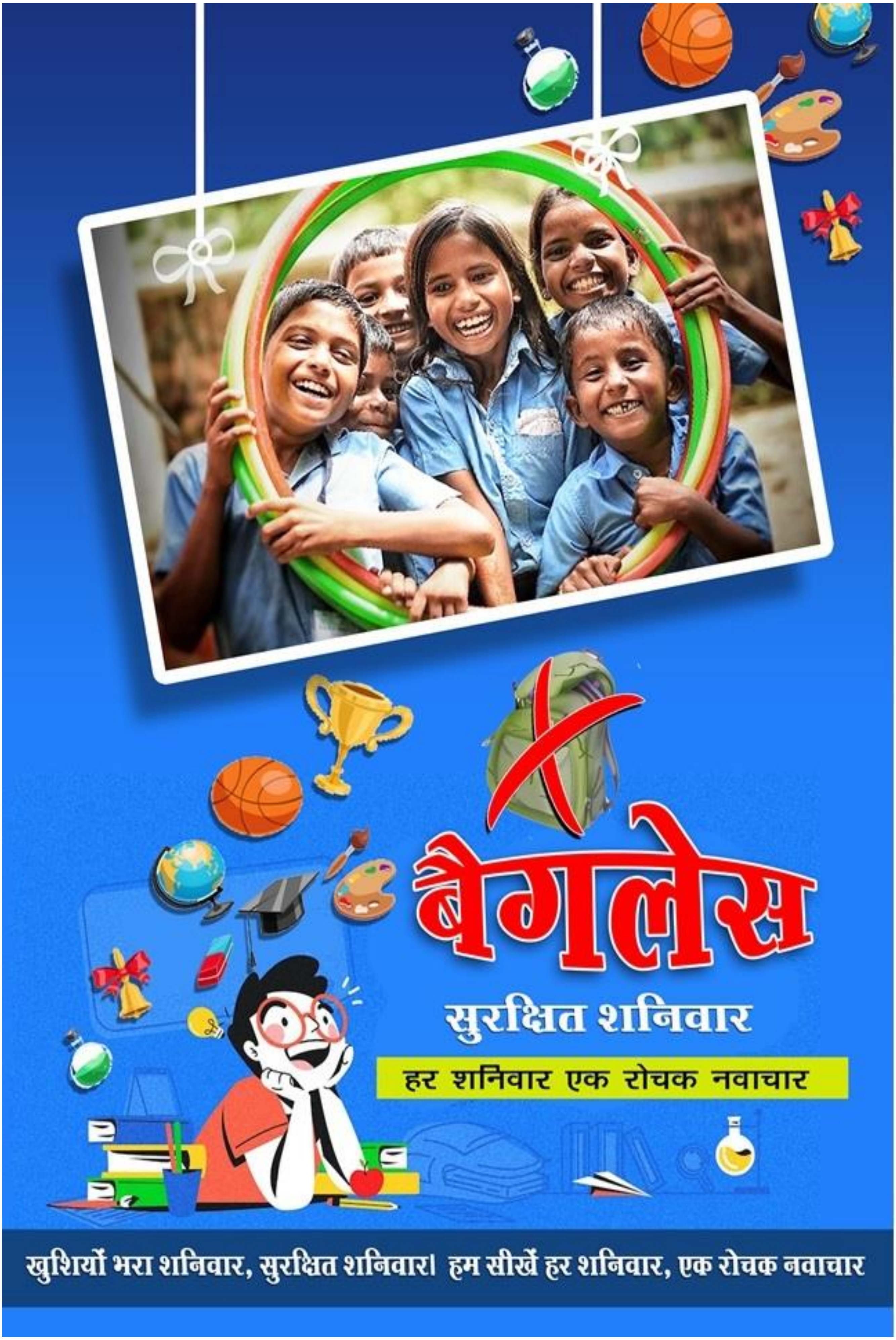
बैगलेस
सुरक्षित शनिवार
हर शनिवार एक रोचक नवाचार
खुशियों भरा शनिवार, सुरक्षित शनिवार। हम सीखें हर शनिवार, एक रोचक नवाचार